

26 अप्रैल 2018 को संसद भवन परिसर में सौर ऊर्जा प्रणाली से संबंधित विषयों पर आयोजित बैठक में माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण।

1. सोलर पॉवर सिस्टम से संबंधित विषयों पर होने वाली इस बैठक में सभी आमंत्रितों का स्वागत है।
2. वर्तमान समय में जब गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोतों पर ध्यान दिया जा रहा है चूंकि ऊर्जा के स्रोत सीमित भी हैं और उनसे प्रदूषण भी होता है। इस मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान रखते हुए पार्लियामेंट में क्लीन एनर्जी के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हम लोग यहां एकत्रित हुए हैं।
3. वर्ष 2017–2018 में संसद भवन में कुल बिजली की खपत की ओर देखें तो लगभग 17 करोड़ रुपये की खपत हुई यानि लगभग डेढ़ करोड़ रुपये प्रतिमाह जिसमें **lighting, air conditioning, heating, ventilation** पर होने वाला कुल बिजली उपभोग सम्मिलित है, जिसमें से लगभग 10 प्रतिशत बिजली **lighting** (प्रकाश) के लिए खर्च होती है। इस प्रकार प्रकाश व्यवस्था पर लगभग 15 लाख रु. प्रतिमाह खर्च होता है। आंकड़ों के अनुसार संसद भवन परिसर के लिए लाइटिंग हेतु लगने वाले मात्र 15 प्रतिशत बल्बों को एलईडी में बदलने से साल भर में लगभग 2 लाख यूनिट एवं 20 लाख रुपये की बचत हुई

है। यदि पूरे संसद भवन परिसर के सभी **Lighting Arrangements** को **LED Bulb** से **replace** कर दिया जाए, तो 14 लाख यूनिट एवं 1.30 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। एक और तथ्य है कि एलईडी बल्ब की **life** लम्बी (लगभग दो वर्ष) होती है, इसलिए **after installation cost** भी कम होगी।

4. विदित हो कि **80 KWP (Kilowatt peak)** वाला सौर ऊर्जा संयंत्र 9 अगस्त 2011 को **Parliament House Annexe** में स्थापित किया गया था जिस पर लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपये खर्च हुए थे। इस परियोजना का कार्यान्वयन पंजाब एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (**Punjab Energy Development Agency**), चंडीगढ़ द्वारा किया गया था।

5. वर्ष 2016 में सीपीडब्ल्यूडी द्वारा संसदीय सौध की **terrace** पर 40 किलोवाट की क्षमता के सोलर पैनल लगाए गए हैं जिसकी लागत लगभग 32.50 लाख (साढ़े बत्तीस लाख) रुपये है। इस संयंत्र द्वारा अब तक लगभग कुल 80 हजार यूनिट बिजली उत्पादित की गई हैं।

6. पार्लियामेंट हाउस बिल्डिंग में किचन और कैटरिंग सर्विस के लिए गर्म पानी की आवश्यकता को देखते हुए (4000 लीटर प्रतिदिन क्षमता वाला) सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम **Punjab Energy Development Agency**,

**Chandigarh** द्वारा **install** किया गया है। इसकी स्थापना पर कुल लागत 9 लाख 50 हजार रुपये व्यय हुआ है।

7. वर्तमान में कुल 120 किलोवाट की क्षमता के जो सोलर पैनल लगे हैं वे अपनी **Installed Capacity** का केवल 10–12 प्रतिशत उर्जा **generate** कर रहे हैं। इसको और बढ़ाया जा सकता है। इंडस्ट्री के **norms** के मुताबिक **Installed Capacity** का 40 प्रतिशत उत्पादन संतोषप्रद माना जाता है तथा उस दृष्टि से हमारे सोलर पॉवर की प्रोडक्शन अभी बहुत कम है। इसमें अभी और सुधार की गुंजाइश है।

8. वर्तमान में पार्लियामेंट हाउस में लगे **Solar Panels** से **generated total annual solar energy contribution** लगभग 83 हजार यूनिट का है जिससे सात लाख रुपये की वार्षिक बचत हो रही है। इसको और **efficient** बनाकर पर्यावरण रक्षण की दिशा में निरंतर कार्य हो रहा है। **Solar Energy Clean Energy** होती है। इससे न केवल ईंधन की बचत होती है बल्कि इससे कार्बन फुट-प्रिंट भी कम होता है।

9. 40 किलोवाट का अन्य सौर उर्जा पैनल **Parliament House Annexe Extension Building** (नई बिल्डिंग) के ए-ब्लॉक के छत पर लगाए जाने की संभावनाओं पर भी विचार किया जा सकता है।

10. संसद भवन में संसदीय सौध एवं संसदीय सौध विस्तार में ही सोलर ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है। मुझे बताया गया है कि संसद भवन एवं संसदीय ज्ञानपीठ में कोई **Solar Energy Unit** नहीं लगाई गई है क्योंकि यह **technically feasible** नहीं है। यदि संभव हो, तो संसद भवन परिसर में किसी और स्थान पर भी सोलर पैनल स्थापित करके आवश्यक ऊर्जा उत्पादित करने पर भी विचार किया जाना चाहिए।

11. मेरा यह मानना है कि ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में सौर ऊर्जा का व्यापक उपयोग भी सुनिश्चित किया जाना अभी बाकी है। भारत की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहां पर इस तकनीक का उपयोग कर बड़ी मात्रा में ऊर्जा का उत्पादन सुनिश्चित किया जा सकता है।

12. आप सभी अपने-अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं। किस प्रकार इसकी **efficiency** में वृद्धि की जाए, इस विषय पर विचार करने के लिए हम सभी यहां एकत्रित हैं।

---